यीशु हमारा सच्चा मित्र है

बालकों को घरों में भेंट करने की शिक्षा दें

इन शिक्षाप्रद क्रिया -कलापों में से कोई भी चुनें।

अधिक उम्र का बालक या शिक्षक: यीशु और उसके मित्र लाज़र की कहानी पढ़ें या सुनायें **(यूहन्ना 11:1-44)**। वो बताती हैं, कि यीशु कैसे लोगों के घरों में भेंट करता था। वो अपने मित्रों से प्रेम करता था तथा उन्हें नया जीवन देता था।

चित्रित करें : बालकों को इस चित्र की नकल या रंग करने दें।

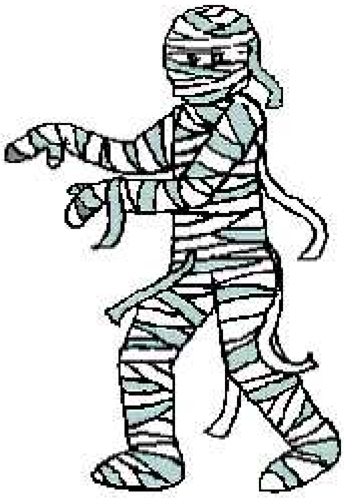

कहानी सुनाने के पश्चात, प्रश्न पूछें। आवश्यकता पड़ने पर उत्तर हर प्रश्न के बाद हैं।

1) आपने मित्र को देखने जाने से पहले, यीशु ने दो दिन तक क्यों प्रतीक्षा करी? *(पद 4 देखें)*
2) यीशु ने ऐसा क्यों कहा, कि लाज़र सो रहा है जब वो मर गया था? (क्योंकि लाज़र मृत ही नहीं रहने जा रहा था *(देखे पद 4)*
3) यीशु ने क्या किया, जब उसने कब्र देखी? *(देखें पद 35)*
4) यीशु में विश्वासियों को क्या होता है, जब वे मर जाते हैं? *(देखें पद 25)*
5) लाज़र क्या पहने हुए था जब उसने कब्र छोड़ी? *(देखें पद 44)*

कहानी के भागों का नाटकीकरण करें। कलीसियाई आराधना के मार्गदर्शक के साथ बालकों के इस सांक्षिप्त नाटक के प्रस्तुतीकरण की व्यवस्था करें।

- बालकों के साथ इसकी तैयारी के लिए अपना समय उपयोग करें।
- आपको कहानी के सारे भागों का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है।
- बड़े बालकों को छोटों की सहायता करने दें।

अधिक उम्र के बालकों या व्यस्कों को ये भूमिकायें अभिनीत करने दें:

वर्णनकर्ता। कहानी का संक्षेप बताता है, तथा बालकों को स्मरण कराता है, कि क्या करना तथा कहना है।

यीशु

मरियम

मार्था। लाज़र को लपेटने के लिये कपड़े के टुकड़े रखें तथा कब्र दर्शाने के लिये एक मेज़ रखें।

छोटे बालकों को ये भूमिकायें अभिनीत करने दें:

अनुयायी
थोमा
संदेशवाहक
लाज़र
कब्र के पास लोग

भाग एक

वर्णनकर्ता: कहानी का पहला भाग बताता है, यूहन्ना 11:1-16। फिर कहता है, ''सुनो लाज़र क्या कहता है।''

लाज़र: ''मैं बहुत बीमार महसूस कर रहा हूँ। मुझे लगता है कि मैं मर जाँऊगा।''

मार्था: ''संदेशवाहक! जल्दी से यीशु को यह बताने जाओ तथा उसके मित्र को चंगा करने के लिये आने को कहो।''

संदेशवाहक: दौड के यीशु के पास जाओ और बोलो यीशु जल्दी आइये। आपका मित्र लाज़र मर रहा है।''

यीशु: ''यह मृत्यु में समाप्त नहीं होगा। मुझे कुछ दिन प्रतीक्षा करनी है,
जिससे कि परमेश्वर की महिमा हो।'' (बैठता है)

वर्णनकर्ता: ''कुछ दिन बीत जाते हैं।''

यीशु: खड़ा होता है तथा कहता है,''अब जाने का समय आ गया है।''

अनुयायी: ''यीशु, तुम्हें लाज़र के घर नहीं जाना चाहिये!'' ''वहाँ पर यहूदी तुम्हें मारना चाहते हैं!''

यीशु: ''लाज़र सो रहा है। हम उसे जगा देगें।'' लाज़र की ओर चलता है!

थोमा: ''चलो फिर चलते हैं, तथा यीशु के साथ मरते हैं।''

भाग दो

वर्णनकर्ता: कहानी का दूसरा भाग बताता है, यूहन्ना 11:17-28 फिर कहता हे, ''सुनो लाज़र की बहन मार्था क्या कहती है।''

मार्था: रोती हैं तथा लाज़र को कपड़े में लपेटती है। फिर उसे एक मेज़ के नीचे ज़मीन पर रख देती हैं। फिर उसका ध्यान यीशु की ओर जाता है। उसकी ओर जाती हैं तथा कहती हैं, ''प्रभु, लाज़र को मरे चार दिन हुए। अगर तू यहाँ होता तो लाज़र ना मरता।''

यीशु: ''तेरा भाई फिर से जीयेगा। क्या तू यह जानती हैं कि पुनरूत्थान तथा जीवन मैं ही हूँ ?''

मार्था: ''हाँ, में जानती हूँ।''

वर्णनकर्वा: कहानी का तीसरा भाग बताता है, यूहन्ना 11:29-44 फिर कहता है,''सुनो, यीशु क्या कहता है।''

यीशु: ''मरियम कहाँ हैं?''

मरियम: भागती हुई आती है तथा कहती हैं, ''यीशु, तूने मेरे भाई को क्यों मरने दिया?''

यीशु: ''मैं बहुत उदास हूँ। मुझे कब्र दिखाओ।''

मरियम: यीशु को दिखाती है, की लाज़र कहाँ रखा गया है।

यीशु: लाज़र को जमीन पर लेटे हुए देखता है। फिर रोता है तथा आँखे से आँसू पोछता है।

कब्र के पास: ''लोग देखो, यीशु उससे कितना प्रेम करता था।'' ''हाँ, यीशु लोग अपने मित्र लाज़र के घर में कई बार उससे भेंट करने के लिये आया था।''

यीशु: जोर से चिल्लाता हैं, ''लाज़र, बाहर आ!''

लाज़र: खड़ा होता है, कपड़े में लिपटा हुआ।

यीशुः ''उस पर से कफन उतार दो तथा उसे जाने दो!''

कब्र के पासः लोग लाज़र पर से कपड़े हटाते हैं। फिर कहते हैं ''देखो, उसने लोग एक मृत व्यक्ति को जिलाया !'' ''यह यीशु कौन है?''

वर्णनकर्ता या बड़ा बालकः समझाता है कि नाटक समाप्त हो गया है तथा सहायता करने वालों का धन्यवाद करता है।

तत्पश्चात्

प्रश्न पूछें। अगर बालक व्यस्कों के लिये कहानी का नाटकीकरण करते हैं, उन्हें व्यस्कों से वे ही प्रश्न पूछने दें जो ऊपर सूचीबद्ध हैं।

चर्चा करेंः लोगों के घरों में जाकर उनसे भेंट करके उनकी सेवा करने के तरीकों के अन्य क्या उदाहरण हँ?'' (व्यस्कों या बालकों को उदाहरण देनें दें।)

बच्चों को नकल करने के लिए एक मेज़ तथा उस पर भोजन रखे होने का चित्र बनायें।

- बड़े बालकों को छोटों की सहायता करने दें।
- उन्हें व्यस्कों को आराधना के समय या माता पिता को घर पर चित्रों को दिखाने दें।
- उन्हें यह समझाने दें, कि भोजन के साथ मेज़ यह दर्शाती है कि हमें नया जीवन देने के लिए कैसे यीशु की आत्मा हमारे घरों में आती हैं। हम अन्यों को उनके घरों में उसके विषय में बाताने के लिये मिलते हैं।
- यीशु का हमारे हृदयें के दरवाज़े पर होने के बारे में समझाने दें, नीचे दिये गए स्मरण करने के पद में!

स्मरण करें प्रकाशित वाक्य 3:20

कविताः तीन बालकों में से हरेक को भजन संहिता 145:15,16 तथा 18 याद करके सुनाने दें।

प्रार्थनाः ''प्रभु, आप अपने ऊपर विश्वास करने वालों के लिये आश्चर्यजनक चीजें करते हैं। आप हमारे साथ रहते हैं तथा हमें नया जीवन देते हैं। जब हम मर जायेगें, आप हमें मृत्यु से जिलायेंगे, हमेशा के लिये आपके साथ रहने के लिये, जहां आप हैं! हमारी दूसरों से भेंट करने के द्वारा उनकी सेवा करके अपना आभार प्रकट करने में सहायता करें।''